एक नजर में

गणपति बाबा मोरिया अगले बरस जल्दीआ गगन भेदी नारों के साथ हुआ विसर्जन

मेघनगर. प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चतुर्थी तक गणेश सॉन्ग धूमधाम से मनाया गया बड़े-बड़े पंडाल सुंदर विद्युत व्यवस्था प्रतिदिन धर्मिक आयोजन आरती कर मेघनगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों मे गणेश महोत्सव को लेकर काफी उत्साह दिखे गया आज सुबह से ही नगर मे ग्रामीण झांकियों का आना शुभ हो गया था सुभाष आई गर्भवती बाबा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ गगन भेदी नारो कि गुंज सुनाई देने लगी थी देखते देखते एक से बढ़कर सुन्दर सुन्दर झांकी निकल रही थी इधर इंद्रदेव भी रिम जिम बरस रहे थे लेकिन गणेश महोत्सव का जुनुन युवाओं की टोली को रोक नहीं पाया और पुरा नगर धर्म मय हो गया श्याम होते होते नगर की गणेश समितियों द्वारा घोड़े हाथी बेड बाजे पार्टी तांसा पार्टी गरबा रास खेलते हुए गणपति बाबा मोरिया की धुन पर थीरक थे हुए रंग गुलाल पुष्प वर्षा कर भगवान श्री गणेश को नगर भ्रमण कराकर विधी विधान से पुजा अर्चना कर विसर्जन किया

गणेश विसर्जन पर नगर में निकली समस्त गणेश झांकियों का स्थानीय साईं चोराहा पर भाजपा नेता मुकेश मेहता रुपसिंह भुरीया राजु डामोर राजेश अहिर मानसिक डामोर ने पुष्प वर्षा कर भगवान श्री गणेश जी व गणेश मण्डलो का स्वागत कर सुन्दर आयोजन की बधाई दी ..मेघेश्वर महा देव मंदिर पर 7 दिवसीय भागवत कथा का आयोजन हुआ आचार्य जी द्वारा प्रतिदिन सुबह 9 बज से दोपहर 12 बजे तक दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक संगीतमय भागवत पुराण का वाचन किया जिस का समापन शनिवार को हुआ नगर में भागवत जी का जुलूस निकाला जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए यजमान निलेश जी पडियार के निवास पर आरती कर प्रसाद वितरण किया गया भागवत पुराण के जुलूस में महंत बलराम दास महाराज सहित बड़ी संख्या मे महिला उपस्थित थीं.

नगर में धूमधाम से गणेशजी की मूर्तियों का विसर्जन प्राकृतिक रूप से किया

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में संचालित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के छात्रावास रंगपुरा में दिव्यांग बच्चों द्वारा संकल्प ग्रुप अध्यक्ष भारती सोनी के निर्देशन में बनाए गए तथा जिले के प्रतिष्ठित कलाकार चंद्रकांत पांचकुंडे द्वारा निर्मित मिट्टी के गणेश की मूर्तियां, जो अष्ट विनायक के रूप में छात्रावास में स्थापित किए गए थे। 10 दिवसीय गणेशोत्सव उपरांत अनंत चतुर्दशी पर बच्चों द्वारा विदाई आरती कर भव्य विदाई दी गई। छात्रावास परिसर में ही गणेशजी की मिट्टी की प्रतिमाओं को पानी के टब में विसर्जित कर प्रतिमा गलने के उपरांत उस पानी को परिसर में पेड़ एवं गमले में लगे पौधो को प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। इस अवसर पर छात्रावास का समस्त स्टॉफबच्चों के साथ संपूर्ण गतिविधियों में शामिल रहा।

7 से 21 सितंबर तक रहेगा श्राद्ध पक्ष

झाबुआ। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से 16 दिवसीय श्राद्ध प्रारंभ हो गए है। इस वर्ष श्राद्ध पक्ष चंदग्रहण के साये में शुरू हुए है।

श्राद्ध पक्ष 7 से 21 सितंबर तक चलेंगे। युवा ज्योतिषाचार्य पं. जैमिनी शुक्ला ने बताया कि 7 सितंबर को चंद्रग्रहण भी रहा, लेकिन ग्रहण का पितृ पक्ष पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। श्राद्ध पक्ष का समापन 21 सितंबर को सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या के साथ होगा। सनातन धर्म में श्राद्ध पक्ष का विशेष धार्मिक महत्व माना गया है। श्राद्ध शब्द श्रद्धा से बना है, जिसका मतलब है पितरों के प्रति हमारी श्रद्धा भाव। हमारे अंदर प्रवाहित रक्त में हमारे पितरों के अंश हैं, जिसके कारण हम उनके ऋणी होते हैं और यहीं ऋण उतारने के लिए श्राद्ध कर्म किए जाने का विधान बताया गया है। कहते है पितृपक्ष में किए गए श्राद्ध-तर्पण, पिंडदान इत्यादि कार्यों से पूर्वजों की आत्मा को तो शांति प्राप्त होती ही है, साथ ही कर्ता को भी पितृ ऋण से मुक्ति मिल जाती है।

ब्राम्हणों को बुलवाकर विधि-विधान से पूजन करवाएं

युवा ज्योतिचार्य पं. जैमिनी शुक्ला ने आगे बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध या तर्पण दोपहर 12 बजे के बाद करने से अनुरूप फल प्राप्त होते हैं। इसके अलावा दिन में कुतुप और रोहिणी मुहूर्त श्राद्ध कर्म के लिए सबसे शुभ माने जाते हैं। श्राद्ध करने के लिए किसी योग्य ब्राह्मण को घर पर बुलाकर मंत्रों का उच्चारण करे और पूजा के बाद जल से तर्पण करें। इसके बाद गाय, कुत्ते और कौवे के लिए भोजन निकाले। इन जीवों को भोजन देते समय अपने पितरों का स्मरण जरूर करे।

विशेष भोजन तैयार कर पितरों का स्मरण करे

पं. जैमिनी शुक्ला के अनुसार पितरों को पानी पिलाने की प्रक्रिया को ही तर्पण कहा जाता है। तर्पण करने के लिए एक पीतल या फिर स्टील की परात लें। उसमें शुद्ध जल डालें और फिर थोड़े काले तिल और दूध डालें। इस परात को अपने सामने रखे और एक अन्य खाली पात्र भी पास में रखे, फिर अपने दोनों हाथों के अंगूठे और तर्जनी ऊंगली के मध्य में दूर्वा यानी कुशा लेकर अंजलि बना लें। यानी दोनों हाथों को मिलाकर उसमें जल भर ले। इसके बाद अंजलि में भरा हुआ जल दूसरे खाली पात्र में डाले। जल डालते समय अपने प्रत्येक पितृ के लिए कम से कम तीन बार अंजलि से तर्पण करें। श्राद्ध वाले दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर ले। इसके बाद घर की साफ-सफाई करे और पूरे घर में गंगाजल छिड़कें। पितरों के लिए उनकी पसंदीदा भोजन तैयार करें। श्राद्ध के लिए ब्राह्मण को घर पर बुलाएं और सच्चे मन से उन्हें भोजन कराएं और ब्राह्मण के पैर धोएं। भोजन के बाद ब्राह्मणों को दान भी करें और उनका आशीर्वाद ले। श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त अग्नि में गाय के दूध से बनी खीर अवश्य अर्पित करें।

चंद्रग्रहण के सूतककाल लगने पर शहर में मंदिरों के बंद रहे कपाट

झाबुआ। वर्ष 2025 का अंतिम चंद्रग्रहण का सूतक 7 सितंबर की दोपहर 12 बजकर 57 मिनिट से आरंभ हुआ। वहीं चन्द्रग्रहण रात 9 बजकर 58 मिनिट से लगकर मध्य रात 1 बजकर 27 मिनिट तक सक्रिय रहने से इस दौरान मंदिर के कपाट बंद रहे। करीब 3.30 घंटे की अवधि का चंद्रग्रहण लगने से इस दौरान लोगों ने विशेष एहतियात बरती। कोई शुभ एवं नवीन कार्य भी नहीं हुए। युवा ज्योतिषाचार्य पं. हिमांशु शुक्ल ने बताया की चन्द्रग्रहण का असर अलग-अलग राशियों पर पृथक-पृथक प्रभाव है। ग्रहण को नग्न आंखों से देखना वर्जित होने के साथ इस दौरान घरों पर मंदिर में पूजन-पाठ नहीं करने के साथ मंदिरों में भी प्रवेश वर्जित रखना चाहिए। ग्रहण के समय भगवान की प्रतिमा को साफलाल, केसरिया या पीले वस्त्रों से ढकने के साथ खान-पान में भी विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता होती है। नकारात्मक से दूर रहकर सकारात्मक की और ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए। यह जारी वर्ष का अंतिम चंद्रग्रहण है। जिसका प्रभाव भारत के अलग-अलग हिस्सों में देखने को मिला। साथ ही कई विदेशी देशों में भी इसका असर नजर आएगा। वरिष्ठ पं. गणेशप्रसाद उपाध्याय ने बताया की चंद्रग्रहण के समय घरों एवं मंदिरों पर पूजन-पाठ नहीं करने के साथ आहार भी सादा बना ग्रहण करना चाहिए। यह ग्रहण प्रभावशील होने से विशेष सावधानियां बरतना जरूरी है।

मंदिरों के कपाट रहे बंद

चंद्रग्रहण का सूतक दोपहर 12.57 बजे से सक्रिय होने से इस अवधि के बाद एवं रात्रि में 9.58 बजे चंद्रग्रहण लगने पर इस दौरान शहर के अधिकांश मंदिरों के पट बंद रहे। वहीं इस दौरान कोई शुभ एवं नवीन कार्य नहीं हुए।

आजाद चौक के समीप श्री गौवर्धननाथजी की हवेली में श्री गौवर्धननाथ मंदिर न्यास द्वारा 6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर श्रीमद् भागवत कथा संपन्न होने के बाद शाम 5 बजे आरती की गई। 5.30 बजे से शहर में चल समारोह निकाला गया। मंदिर के अधिकारी बृजबिहारी त्रिवेदी ने बताया कि 7 सितंबर की सुबह 6 बजे मंगला आरती, 7 बजे ठाकुरजी का श्रृंगार, 8 बजे राजभोग बाद शाम 4 बजे से उत्थापन, 5 बजे से भोग एवं शाम 6 बजे शयन दर्शन होंगे। श्री गौवर्धननाथ मंदिर ट्रस्ट के अनुसार चंदग्रहण रात 9.57 बजे से सक्रिय होकर स्पर्श 9.57 बजे, मध्य में 11.42 बजे तथा मोक्ष समाप्त 1.28 बजे होगा।

रात्रि में कुल 3 घंटे 29 मिनिट का चंद्रग्रहण रहेगा। ग्रहण पश्चात् अगले दिन सोमवार सुबह से मंगला से राजभोग तक की सेवाएं चालू रहेगी। जिसमें 8 सितंबर को सुबह 5 बजे उत्पाथन, 5.30 बजे भोग, 6.15 बजे आरती एवं शाम 7 बजे शयन दर्शन होंगे। इसी प्रकार श्री चारभुजानाथ मंदिर के पट भी 7 सितंबर को दोपहर 12.57 बजे से एवं रात्रि में ग्रहण अवधि 9.58 बजे से मध्य रात्रि 1.27 बजे मोक्ष तक बंद रहे।

मंडलों की संयुक्त बैठक आयोजित

नवदुर्गा महोत्सव समिति व राजवाडा मित्रमंडल की बैठक

झाबुआ। श्री देवधर्मराज नवदुर्गा महोत्सव समिति एवं राजवाडा मित्र मंडल की संयुक्त बैठक आगामी शारदेय नवरात्रि महोत्सव मनाए जाने को लेकर संपन्न हुई। बैठक मंडल के संरक्षक बृजेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में रखी गई। जिसमें आगामी नवरात्रि उत्सव को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। तय किया गया कि 'स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ' की थीम पर इस बार का आयोजन होगा।

राजवाडा मित्र मंडल अध्यक्ष दीपक भंडारी ने बताया कि इस बार के आयोजन में राजवाडा पर एलईडी स्क्रीन पर 'आत्मनिर्भर भारत थीम और ऑपरेशन सिंदूर' को प्रदर्शित किया जाएगा।

नवरात्रि में शुरूआत के 6 दिन रात्रि 9 से 12 बजे तक गरबों का आयोजन होगा। सप्तमी से लेकर नवमी तक अलसुबह तक गरबे खेले जाएंगे।

गुजराती गरबा मंडल की टीम नौ दिन तक गरबों की शानदार प्रस्तुति देगी। बैठक में आयोजन समिति से जुड़े ओपी राय, जितेन्द्र पटेल, सुशील शर्मा, गोपाल सोनी, अंकुश कांठी, गोपी बुंदेला, अविनाश डोडियार आदि उपस्थित थे।

सर्व गुजराती बुनकर बलाई समाज का हुआ सम्मेलन

नवीन पदाधिकारियो की हुई सर्व सम्मति से घोषणा

झाबुआ। गत दिवस झाबुआ-अलीराजपुर जिले के सर्व गुजराती बुनकर बलाई समाज के सम्मेलन का आयोजन गढ़वाड़ा हनुमान मंदिर पर किया गया, जिसमें समाज के नवीन पदाधिकारियों की सर्व सम्मति से नियुक्ति कर कार्यकारिणी की घोषणा की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को गढ़वाड़ा हनुमान मंदिर झाबुआ पर झाबुआ-अलीराजपुर जिले के समस्त गुजराती बुनकर बलाई समाज के सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में समाज के वरिष्ठजनों की उपस्थिति में समाज के नवीन पदाधिकारियो की घोषणा सर्व सम्मति से की गई, जिसमें संयोजक, संरक्षक पद पर बसंतीलाल मकवाना झाबुआ, वेणीचंद राठौड़ पारा, महेंद्रसिंह सोलंकी मेघनगर, हिम्मतलाल डाबी थांदला, कांतिलाल बघेल राणापुर, शोभाराम कलम अलीराजपुर को नियुक्त किया गया। पश्चात सर्व सम्मति से समाज के नवीन पदाधिकारियो की घोषणा की गई, जिसमें अध्यक्ष पद पर शैलेन्द्र राठौर पारा, जिला उपाध्यक्ष रमण डामोर, हसमुख मकवाना, सचिव दिलीप बघेल, सह सचिव गिरीश धानक, कोषाध्यक्ष विनोद कलम, मीडिया प्रभारी कुंतल डाबी को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर नव नियुक्त अध्यक्ष राठौर ने उपस्थित समाजजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी का विश्वास मेरे लिए प्रेरणास्रोत है। मैं यह विश्वास दिलाता हूँ कि समाज की भलाई, एकता और प्रगति के लिए मैं पूरे मन, निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करूगा। हमारे समाज की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाना, युवाओं को सशक्त बनाना, शिक्षा, स्वास्थ्य और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना, ये सभी मेरे कार्यकाल की प्राथमिकताएं रहेंगी। मैं आशा करता हूँ कि आप सभी का सहयोग, मार्गदर्शन और स्नेह मुझे निरंतर प्राप्त होता रहेगा। हम सभी मिलकर अपने समाज को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँगे। राठौर ने इस नवीन जिम्मेदारी देने पर सभी समाजजनों प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना ने 13 सितंबर को पेटलावद में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अंतर्गत सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि अंतरण के राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल का चिन्हांकन कर आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आतिथ्य में राज्य स्तरीय कार्यक्रम सीएम राइस सांदीपनि विद्यालय मैदान पेटलावद में आयोजित किया जाना निर्धारित किया गया है।

साथ ही हेलीपेड स्थल का भी निरीक्षण कर सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं प्रशासनिक अमला उपस्थित था।

श्री विश्व मंगल सरकार तारखेड़ी धाम की 19वीं पैदल यात्रा झाबुआ से विश्व मंगल धाम तारखेड़ी तक निकाली जाएगी

झाबुआ। श्री विश्व मंगल सरकार तारखेड़ी धाम की 19वीं भव्य ध्वज यात्रा का आयोजन आगामी 15 सितंबर की शाम 6 बजे से तुलसी गली स्थित प्राचीन श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर से निकाली जाएगी।

जिसमें प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिलेभर से बड़ी संख्या हनुमान भक्त सम्मिलित होंगे। यात्रा में पैदल चलने के इच्छुक यात्रियों का पंजीयन कार्य जारी है। विश्व मंगल धाम तारखेड़ी में सभी यात्रियों द्वारा मंदिर पर ध्वज वंदन के साथ दर्शन लाभ लिया जाएगा। यात्रा समिति से प्राप्त जानकारी अनुसार वर्ष 2007 से इस यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हर वर्ष लगातार भक्तों की संख्या बढ़ती जा रहीं है। इस वर्ष बैंडबाजों के साथ यह यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें श्रद्धालु अपने हाथों में केसरिया ध्वज लेकर भजन-किर्तन करते हुए शामिल होते है। यात्रा करीब 38 किमी की रहती है। जिसमें तीन पड़ाव रहते है। झाबुआ से यात्रा चलकर ग्राम छापरी (रामा) में यात्रियों के लिए भोजन की व्यवस्था, अगले 10 किमी पर चाय-नाश्ता और फिर अगले 10 किमी पर स्नान और कुछ देर विश्राम बाद ग्राम साड़, सदावा होते हुए अगले दिन 16 सितंबर की सुबह 6 बजे सभी यात्री तारखेड़ी पहुंचकर श्री विश्व मंगल हनुमानजी महाराज को ध्वज अर्पण करने के साथ दर्शन लाभ लिया जाता है। मंगलवार को विशेष आरती में शामिल होने के साथ नुग्दी की प्रसाद सभी को वितरित की जाएगी। यात्रा व्यवस्था में विशेष सहयोग वरिष्ठ समाजसेवी अजय रामावत, अशोक शर्मा, देवेन्द्र पंचाल, संजय पंचाल आदि द्वारा प्रदान किया जाएगा।

श्री विश्वमंगल धाम तारखेड़ी

कर रहे प्रचार-प्रसार

यात्रा बाद सभी यात्री चार पहिया वाहनों से पुन: झाबुआ लौटेंगे। उक्त ध्वज यात्रा के शहर में जगह-जगह होर्डिंग्स-बेनर आदि लगे होने के साथ सोशल मीडिया पर व्हाट्स-एप ग्रुप पर भी उक्त आयोजन की रूपरेखा तैयार की जा रहीं है। यात्रा समिति ने जिलेभर के श्रीराम एवं हनुमान भक्तों से यात्रा में अधिकाधिक संख्या में सम्मिलित होकर लाभ लेने हेतु अपील की है।

एक नजर नवग्रह शनि मंदिर परिसर में श्री पद्यवंशीय मेवाड़ा परिसर में चल रही कथा में इंद्र स्तुति का प्रसंग सुनाया

कथा में गोवर्धन पर्वत उठाकर वृंदावनवासियों की रक्षा का वर्णन किया

झाबुआ। स्थानीय श्री विश्व शांति नवग्रह शनि मंदिर परिसर में श्री पद्मवंशीय मेवाडा राठौर तेली समाज द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के छटवे दिन व्यास पीठ पर विराजमान प्रख्यात कथा वाचक पं. विनोद शर्मा (भदवासा वाले) ने कथा में इंद्र स्तुति का प्रसंग सुनाया गया।

जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाकर वृंदावनवासियों की रक्षा का वर्णन किया। उन्होने बताया कि यह भक्ति और समर्पण का प्रतीक है। उन्होने कथा में पंच अध्यायों को भागवत के प्राण बताये और कहा कि ये भवसागर से पार होने का मार्ग दिखाता हैं।

कथा में श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया गया। पं. शर्मा ने कहा कि जो भक्त ईश्वर प्रेम में आनंदित होते हैं और श्रीकृष्ण-रूक्मिणी के विवाह में शामिल होते हैं, उनकी समस्याएं समाप्त हो जाती हैं। उन्होंने बताया कि महारास में भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों का आह्वान किया था। महारास लीला द्वारा ही जीवात्मा और परमात्मा का मिलन हुआ।

लाभार्थी परिवार का किया स्वागत

श्रीमद् भागवत कथा के छटवे दिन के लाभार्थी परिवार का कथा के अंत में स्वागत किया। लाभार्थी रणछोडलाल गुलाबचंदजी सोनावा को मोतियों की माला, सिर पर पगडी और गले में गमछा डालकर समाज के सचिव मनीष मगनलाल राठौर और महेश रणछोडलाल राठौर द्वारा प्रतिक चिन्ह देकर लाभार्थी परिवार को सम्मानित किया। स्वागत समारोह के पश्चात लाभार्थी परिवार द्वारा भागवतजी की आरती कर प्रसादी का वितरण किया।